भवानी तुम्हारी शरण आ गया हु

भवानी तुम्हारी शरण आ गया हु
बिना भगती के हो गए करम काले
लगाने तुम्ही से लगन आ गया हु

जभी जन्म पाया तभी भव में डूबा मैंने करने को भव से तरन आ गया हु
भवानी तुम्हारी शरण आ गया हु

कई जन्म पाए कई जोनियो में
खत्म करने आवा गमन आ गया
भवानी तुम्हारी शरण आ गया हु

चरण चुमते उचे पर्वत तुम्हारे
मैं चढ़ के चडाई कठिन आ गया हु
भवानी तुम्हारी शरण आ गया हु

Source: https://www.bharattemples.com/bhawani-tumhari-sharn-aa-geya-hu/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw